The figures of achievements in respect of creation of irrigation potential and utilisation for the year 1995-96 would be made available from the States after 31st March, 1996.

Special Dispensation Admissions

790. SHRI PARAG CHALIHA:
SHRI SHIV CHARAN SINGH:

Will the PRIME MINISTER be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 565 given in the Rajya Sabha on the 1st December, 1995 and state:

(a) what are the details of the State-wise number of special dispensation admissions made in the academic session 1995-96 in Kendriya Vidyalayas till date; and

(b) who authorised the then Chairman of Kendriya Vidyalaya Sangathan to violate the stipulated percentage of such admissions and when?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPTT. OF EDUCATION AND DEPTT. OF CULTURE) (KUMARI SELJA): (a) The Region-wise details of admissions made in the Kendriya Vidyalayas during 1995-96 academic session under special dispensation are given in statement (see below).

(b) Kendriya Vidyalaya Sangathan has informed that the Chairman, Kendriya Vidyalaya Sangathan decided to accord permission under special dispensation beyond 10% in view of the large demand for admissions in Kendriya Vidyalayas.

Statement

The Region-wise details of admission made in the Kendriya Vidyalayas during 1995-96 academic session under special dispensation are as given below:—

Sl. No.	Name of Region	Nos. of Admissions
1.	Admedabad	142
2.	Bangalore	238
3.	Bhopal	1294
4.	Bombay	81
5.	Bhubaneswar	189
6.	Calcutta	169
7.	Chandigarh	250
8.	Delhi	4985
9.	Dehradun	237
10.	Guwahati	77
ll.	Hyderabad	178
12.	Jabalpur	159
13.	Jammu	47
14.	Jaipur	450
15.	Lucknow	668
16.	Madras	583
17.	Patna	444
18.	Silchar	58
	Total	10249

पुरातत्व महत्व की मूर्तियों का परिरक्षण

791. **श्री राघवजी :** क्या प्रधाम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कि विदिशा जिले से प्राप्त हुई पुरातत्व महत्व की मूर्तियां और सामग्री को देश के अन्य स्थानों पर या विदेशों में रखा गया है,

(ख) यदि हां, तो उनका पूर्ण विवरण क्या है, और

(ग) क्या उनकी विदिशा जिले के पुरातत्व संग्रहालय में वापस जाने की कोई योजना है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है, यदि नहीं, तो इसके ब्यौरा क्या कारण है ?

मानव संसधान विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में राज्य मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) जी, हां।

(ख) विदिशा से पायी गई मूर्तियों और वास्तुकला संबंधी पुराशेष भोपाल, ग्वालियर, शिमला, कलकता स्थित संग्रहालयों में और लंदन स्थित ब्रिटिश संग्रहालय में दिखाने के लिए रखे हुए हैं।

(ग) जी नहीं। 1947 से पहले पायी गई मूर्तियां और वास्तुकला संबंधी पुरावशेष दिखाने और अनुसंधान कार्य के लिए इन संग्रहालयों में लाये गये थे। समय गुजर जाने के साथ-साथ इन पुरावशेषों का महत्व बढ़